डॉ. डेविड हॉवर्ड, जोशुआ-रूथ, सत्र 32
रूथ प्रदर्शनी

© 2024 डेविड हॉवर्ड और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 32, रूथ प्रदर्शनी है।

पुनः नमस्कार. और अब हम वहीं से शुरू करेंगे जहां हमने रूथ की पुस्तक के परिचय में छोड़ा था। और हम रूत की पुस्तक में ही जाएंगे, चार अध्यायों के माध्यम से इसका खुलासा करेंगे। इसलिए, यदि आपके पास बाइबिल का पहला अध्याय खुला है।

और कुछ तरीकों से हम किताब को ख़ाली करने और भरने के विचारों के बीच एक प्रकार की परस्पर क्रिया के रूप में देख सकते हैं। पहले अध्याय में, हम देखते हैं कि हम लोगों की मृत्यु से खाली हो गया एक ईश्वरीय परिवार क्या कह सकते हैं। और फिर बोअज़ और रूथ और उनसे होने वाले बच्चे के मिलन से ईश्वरीय परिवार अंत तक भर जाता है।

तो वैसे भी, पुस्तक का पहला भाग, श्लोक एक से पाँच, बहुत जल्दी ही स्थिति तैयार कर देता है। यह हमें परिवार के कुलपिता एलिमेलेक, या नाओमी या बेटों की जीवनी नहीं देता है। यह सिर्फ इतना कहता है कि एलीमेलेक और नाओमी वहाँ थे।

उनके दो बेटे हुए और एलीमेलेक की मृत्यु हो गई। और फिर दोनों बेटों ने दो मोआबी महिलाओं, ओर्पा और रूत से शादी की, और बेटे मर गए। तो, अचानक हमारे पास तीन महिलाएँ रह गईं ।

हमारे पास नाओमी, सास और दो बेटियाँ हैं। वह यहूदा से, बेतलेहेम से, और वे मोआब से हैं। और यह देश में संकट का समय है क्योंकि अकाल पड़ा है।

इसलिए, नाओमी अपनी बेटियों को अपने प्रति किसी भी दायित्व से मुक्त करने की ज़िम्मेदारी लेती है और उनसे कहती है कि उन्हें अपने घर वापस जाना चाहिए। छंद छह में, वह उनसे कहती है कि क्योंकि उसने सुना है कि मोआब देश में भोजन है, और अपनी दोनों बहुओं से कहती है कि वे वहां वापस चले जाएं। दोनों बहुएँ जाने से मना कर देती हैं।

वे रोते हैं और वे उससे लिपट जाते हैं। और श्लोक दस, ठीक है, श्लोक नौ, वह कहती है, प्रभु करे कि तुममें से प्रत्येक को अपने पति के घर में आराम मिले। वापस जाओ और वहां पतियों को ढूंढो।

और उसने उन्हें चूमा। उन्होंने अपनी आवाजें उठाईं और रोने लगे। और उन्होंने कहा, आयत दस, नहीं, हम तुम्हारे साथ लौटेंगे।

और वह जिद करती है, नहीं, तुम्हें वापस जाना चाहिए। जाओ क्योंकि मैं पति पाने के लिए बहुत बूढ़ी हो गयी हूँ। मेरे ऐसे बच्चे नहीं हो सके जिनसे आप शादी कर सकें।

यदि ऐसा है तो भी इसमें काफी समय लगेगा। तो वापस जाओ. तुम्हारे कारण यहोवा का हाथ मेरे विरुद्ध बढ़ा है, यह मेरे लिये अत्यन्त दुःखदायी है।

श्लोक तेरह. कड़वाहट का वह विचार कुछ छंदों के बाद सामने आता है। तो, वे सभी फिर से रोये।

और ओर्पा ने छुट्टी लेने का फैसला किया। इसलिए, वह अपनी सास को चूमती है, पद तेरह, लेकिन रूथ उससे चिपकी रहती है। और नाओमी कहती है, देखो, तुम्हारी भाभी चली गई है।

तुम उसके साथ वापस क्यों नहीं जाते? और फिर रूथ वफादारी के इस खूबसूरत बयान के साथ जवाब देती है। यह बाइबल में पाए जाने वाले सबसे सुंदर कथनों में से एक है। यह एक बहू और सास के बीच यौन संबंध नहीं है, लेकिन यह बहुत सारी दोस्ती और अनुबंधों और निश्चित रूप से विवाह के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम कर सकता है।

और वह कहती है, श्लोक सोलह, नहीं, मुझे मत भेजो, क्योंकि जहां तुम जाओगे, मैं वहां जाऊंगी। जहां तुम ठहरोगे, मैं टिकूंगा। तुम्हारे लोग मेरे लोग होंगे।

तुम्हारा भगवान, मेरा भगवान. तो तुरंत हम देखते हैं कि मोआब की यह विदेशी महिला अपनी सास को मानवीय रिश्ते के आधार पर गले लगा रही है, लेकिन उसने यह भी कहा है, तेरा ईश्वर मेरा ईश्वर होगा। फिर, राहाब ने इस्राएलियों से जो कहा, बिल्कुल उसी तरह नहीं, लेकिन मूल रूप से, मैं आपके लोगों के भगवान को गले लगाने जा रहा हूं और अपने भगवान, बाल को अस्वीकार कर रहा हूं।

रूथ के मामले में, यह केमोश को प्रमुख मानकर मोआबी धर्म की व्यवस्था को अस्वीकार कर रहा है। जब तुम मरोगे तो मैं भी मर जाऊँगा। वहीं मुझे दफनाया जाएगा.

प्रभु मेरे साथ ऐसा और इससे भी अधिक करें। अगर मौत के अलावा कुछ भी मुझे तुमसे अलग करता है। तो यह तो बस एक ख़ूबसूरत चीज़ है।

इसलिए, वे घर वापस चले जाते हैं, और जब वे बेथलेहम वापस आते हैं, तो लोग बाहर आते हैं और नाओमी का स्वागत करते हैं, और वे उसे मुश्किल से पहचान पाते हैं। वे कहते हैं, क्या यह नाओमी है? उन्हें अपने तीन रिश्तेदारों, अपने पति और दो बेटों की मृत्यु और अपनी बेटी की एक बहु द्वारा त्याग दिए जाने का सामना करना पड़ा। तो, वह पद 20 में कहती है, मुझे नाओमी मत कहो, मुझे मारा कहो।

वहां शब्दों का खेल है कि आपकी अधिकांश बाइबलों में शायद एक फुटनोट या एक सीमांत नोट है जो इसे समझाता है। मारा शब्द का अर्थ कड़वा है, और नाओमी शब्द सुंदर या सुखद शब्द से संबंधित है। तो, नाओमी के चरित्र और भाग्य में एक बड़ा बदलाव।

वह अपने जीवन के उस हिस्से को पीछे छोड़ना चाहती है जो खूबसूरत था, और वह एक अंधेरे चरण में प्रवेश कर रही है जिसमें वह लगभग डूब जाना चाहती है। और इसका कारण यह है कि सर्वशक्तिमान ने मेरे साथ बहुत कड़वा व्यवहार किया है। मैं भरा हुआ चला गया.

वह मुझे ख़ाली वापस ले आया है। तो, यह अध्याय एक में परिवार को खाली करने का विचार है। तो जब यहोवा ने मेरे विरुद्ध गवाही दी है, और सर्वशक्तिमान ने मुझ पर विपत्ति डाली है, तो मुझे नाओमी क्यों कहा जाए? इसलिए, वे बेथलेहेम वापस आ जाते हैं, और यह जौ की फसल की शुरुआत में होता है।

और ऐसा लगता है कि यह अच्छी चीज़ों का पूर्वाभास देता है। सबसे पहले, अध्याय की शुरुआत में देश में अकाल है। लेकिन अब, अध्याय के अंत में, वे वापस आ रहे हैं, और जाहिर तौर पर, बारिश हुई है और फसल हुई है।

और निस्संदेह, यह अगले कुछ अध्यायों के लिए पृष्ठभूमि तैयार करता है। तो, अध्याय दो में, हमारे पास चीजों का एक प्रकार का विकास है, और बोअज़ और नाओमी मिलते हैं। बोअज़ और रूथ उस आदमी से मिलते हैं जिससे अंततः वह शादी करेगी।

तो, हमें तुरंत अध्याय दो, पद एक में बोअज़ से परिचित कराया जाता है। नाओमी के पति का एक रिश्तेदार था, इसलिए वह भी यहूदा के गोत्र से एक इस्राएली था, एलीमेलेक के गोत्र का एक योग्य व्यक्ति, जिसका नाम बोअज़ था। और जो कुछ भी इसके लायक है, बोअज़ के नाम का अर्थ है, उसमें ताकत है।

पाठ में इसका कोई मतलब नहीं है, लेकिन यह एक अच्छा नाम है। यह एक सशक्त नाम है. तब मोआबिन रूत ने नाओमी से कहा, मुझे मैदान में जाकर उसके पीछे-पीछे अनाज बीनने दे।

और यह व्यवस्थाविवरण में पेंटाट्यूचल कानून पर वापस जाता है, जहां उन्हें बताया जाता है, जब बैल खेतों की जुताई कर रहा हो, तो पूंछ को छोड़ दें और बैल खा सकता है, क्योंकि यह उसके काम के योग्य है। लेकिन साथ ही, गरीब भी साथ चल सकते हैं और जो बचा है उसे भी बटोर सकते हैं। तो, यह गरीबों के लिए एक प्रावधान है।

और इसलिए, रूथ ने नाओमी से कहा, मैं वह करना चाहती हूं। और मैं उसके पीछे अनाज की बालें बीनना चाहता हूं, जिस के खेत में मुझ पर अनुग्रह होता है। वह नहीं जानती कि यह कौन है, लेकिन वह जायेगी।

और इसलिए, वह निकल पड़ती है, पद तीन में काटने वालों के पीछे खेत में जाती है, और यह कहती है कि वह बोअज़ के खेत के हिस्से में आ गई। बस यही हुआ. संयोग।

या हो सकता है कि वहाँ भी ईश्वर की कृपा हो। और बोअज़ बेतलेहेम से आता है और यह देखता है, और वह इस युवती को देखता है, और काटने वालों से पूछता है कि यह कौन है। वे उसे बताते हैं कि यह कौन है।

और वह एक जवान मोआबी स्त्री है, पद छः। और श्लोक सात में, वह आती है और अधिक साहसिक दावा करती है। श्लोक दो में, वह कहती है, मैं अनाज की बालियों के बीच जाकर बीनना चाहती हूँ, जैसे कि गोबर, पूँछ।

परन्तु पद सात में वह कहती है, मुझे काटनेवालों के पीछे पूलों में से बीनने और बटोरने दे। खैर, पूल वे बंडल हैं जिन्हें एक साथ रखा जाता है। वह एक अधिक प्रचुर चीज़ का हिस्सा बनना चाहती है, और यह थोड़ा अधिक साहसिक अनुरोध है, ऐसा यहाँ अध्याय में, श्लोक सात में लगता है।

तो, वह आ रही है, वह ऐसा कर रही है। और इसलिए, बोअज़ फिर रूथ का सामना करता है या रूथ से उलझता है, और उसे ये अद्भुत शब्द बताता है, और कहता है, कहीं और मत जाओ। यहीं रहो, और मेरे लोग तुम्हारी देखभाल करेंगे।

युवतियों के साथ जाओ. मेरे जवान तुम्हें छूने वाले नहीं हैं. तो, श्लोक दस में, वह मुँह के बल गिरती है, भूमि पर झुकती है, और कहती है, मुझ पर तेरी दृष्टि में अनुग्रह क्यों हुआ? कि तुम्हें मुझ पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि मैं परदेशी हूं।

इसलिए, वह अपनी बाहरी स्थिति से अवगत है, और भले ही उसने नाओमी को गले लगा लिया है और अपने भगवान को गले लगा लिया है, वह अभी भी आश्चर्यचकित है, सुखद आश्चर्य है, कि बेथलेहम से कोई, यहूदा से कोई, उसका स्वागत करेगा जो एक विदेशी है और उसके साथ इतना अच्छा व्यवहार करेगा। और श्लोक 12, या श्लोक 11 और 12 में, बोअज़ ने उसे उत्तर दिया, और वह कहता है, आपकी प्रतिष्ठा के कारण, आपने अपनी सास के प्रति जो कुछ भी किया है, जो वफादारी आपने दिखाई है, उनका इनाम उन्हें दिया जाना चाहिए आप प्रभु के द्वारा. श्लोक 12 का अंत.

और देखो, पद 12 के अंत में यह सुंदर शब्द है। यह कहता है, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा, जिसके पंखों के नीचे तू शरण लेने आया है, तुझे पूरा प्रतिफल दे। और एक उकाब के पंखों, या एक पक्षी के पंखों, या प्रभु के पंखों का विचार एक बहुत ही मनोरम कल्पना है जिसे हम बाइबिल में पाते हैं।

निर्गमन 19 में, यह इस बारे में बात करता है कि कैसे भगवान उन्हें अपने पंखों, अपने पंखों के नीचे लाने जा रहा है। अन्यत्र, यह बाज के पंखों की तरह ऊपर उठने की बात करता है, और इस तरह के संदर्भ में पंख आश्रय और सुरक्षा दे रहे हैं। इसलिए, वह शरण लेने के लिए भगवान की शरण में आई है।

और इसलिए, उसे एहसास होता है कि उस पर उपकार किया गया है, और वह पद 13 की आभारी है। और इसलिए, वह उसे पद 14 में, भोजन के लिए अपनी मेज पर आमंत्रित करता है। और पद 15 में वह जवानों को निर्देश देता है कि उसे पूलों के बीच झुकने दो।

इसके अलावा, पद 16 में, जब आप यह कर रहे हों, तो दोस्तों, कुछ पूलों को बाहर निकालें और उन्हें गिरा दें और उसे अतिरिक्त भोजन दें। बस, आइए उसके लिए यह करें। तो, आप बोअज़ की ओर से उदारता की भावना देखते हैं।

वह कुछ अतिरिक्त पूँछों और भोजन के अतिरिक्त हिस्से से नाराज़ नहीं होता, बल्कि केवल यह कहता है, ठीक है, वह जो कुछ भी उठा सकती है उठा सकती है। अत: ये सभी पात्र सहानुभूतिपूर्ण हैं। नाओमी, विधवा, और वह अपने बच्चों से वंचित है।

रूथ निश्चित रूप से एक सहानुभूतिपूर्ण महिला है, बोअज़ भी। इसलिए, वह फसल की कटाई पूरी करती है और खाना वापस लाती है और अपनी सास को दिखाती है कि उसे क्या मिला है। उसे लगभग एक एपा जौ मिला, जो एक बुशेल जौ का लगभग दो-तिहाई है।

और वापस आकर अपनी सास को कहानी सुनाती है। और नाओमी उसे आशीर्वाद देती है। श्लोक 20, प्रभु उसे आशीर्वाद दे, जिसकी दयालुता ने न तो जीवितों को त्यागा और न ही मृतकों को।

और किसी तरह, वह जानती है कि वह उनका करीबी रिश्तेदार है। श्लोक 20 का अंत। तो यह अच्छी बात है।

नाओमी कहती हैं, आप जो करते हैं वही करते रहें। और रूथ फिर अपनी सास के साथ रहती है। ऐसा प्रतीत होता है कि अध्याय 2 और 3 के बीच कुछ समय बीत चुका है। लेकिन अब नाओमी एक अन्य प्रकार की योजना को गति दे रही है।

और वह अपनी बहू के प्रति एक दायित्व महसूस करती है। निःसंदेह इसलिए क्योंकि उनकी बहू ने उनके प्रति इतनी वफादारी दिखाई है. अत: अध्याय 3, पद 1 में वह कहती है, हे मेरी बेटी, क्या मैं तेरे लिये विश्राम न ढूंढूं, कि तेरा भला हो? क्या बोअज़ उसका रिश्तेदार नहीं जिसके साथ स्त्रियाँ थीं? बोअज़ के साथ आपका भविष्य हो सकता है।

और मैं, आपकी सास होने के नाते, आपके प्रति एक सुरक्षात्मक दायित्व महसूस करती हूं। और इसलिए, मैं कुछ चीजें सुझाने जा रहा हूं जो आपको करनी चाहिए। और वह ऐसा स्थान हो जहां तुम विश्राम के स्थान में आओ।

अध्याय का आरंभ और अंत विश्राम के विचार से होता है। अध्याय 3, श्लोक 1. हे मेरी बेटी, क्या मैं तेरे लिये विश्राम न ढूंढूं? और फिर पद 18। नाओमी रूत से बात कर रही है और कहती है, रुको, मेरी बेटी, जब तक तुम्हें पता न चले कि मामला क्या होगा।

क्योंकि वह आदमी आज मामला निपटाए बिना चैन नहीं लेगा। इसलिए, बोअज़ तब तक काम करता रहेगा जब तक वह मामला सुलझा नहीं लेता और उसे आराम नहीं मिल जाता। और वह उसके और रूत दोनों के लिये विश्राम होगा।

इसलिए, पद 3 में नाओमी रूथ से कहती है कि वह नहा धोकर जाने के लिए तैयार हो जाए। और उस स्थान पर जहां बोअज है जाकर उसके लेटने तक ठहरना। और फिर उसके पैरों को खोलकर वहां लेट जाओ।

और वह तुम्हें बताएगा कि क्या करना है. उसके पैरों को उजागर करने का यह विचार, हम इस बारे में पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं कि वास्तव में वह क्या था। कुछ लोगों ने अभी-अभी कहा है कि यह केवल कंबल को उघाड़ने जैसा है और शायद कंबल के नीचे आने जैसा है।

कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि यह वास्तविक यौन प्रलोभन है। मुझे यकीन नहीं है कि यह वही है। लेकिन निश्चित रूप से, वहां कामुकता के कुछ स्वर मौजूद हैं।

मुझे यकीन नहीं है कि मैंने अपनी किशोर बेटियों को किसी भी समय, कहीं भी किसी पुरुष के साथ ऐसा करने का निर्देश दिया होगा। लेकिन फिर भी, वह ऐसा करती है। और पद 7 में बोअज़ ने खाया पिया, और उसका मन मगन था।

तो, हो सकता है कि उसने जितनी शराब पीनी चाहिए थी उससे एक या दो कप अधिक पी ली हो। और वह लेटने चला जाता है और वह धीरे से आकर उसके पैर ढक देती है। और वह जाग जाता है और कहता है, तुम कौन हो? पद 9. और उस ने कहा, मैं तेरी दासी रूत हूं।

और फिर वह कहती है, अपने पंख अपने दास पर फैला , क्योंकि तू छुड़ानेवाला है। कुछ संस्करण कहते हैं कि अपने नौकर के ऊपर अपना कपड़ा फैलाओ। लेकिन वस्तुतः, यह कहता है कि अपने पंख फैलाओ।

और मुझे लगता है कि यह अध्याय 2, श्लोक 12 में संदर्भ की सीधी प्रतिध्वनि है, जो इस्राएल के परमेश्वर, प्रभु के बारे में बात करता है, जिसके पंखों के नीचे आप शरण लेने आते हैं। तो, भगवान रूत के लिए शरण प्रदान करने जा रहा है. और यहाँ रूथ अधिक विशेष रूप से बोअज़ से उसके लिए सुरक्षा और शरण का स्रोत बनने के लिए कहती है।

और वह कहती है, तू छुड़ानेवाला है। आप एक गोयल हैं . आप ही इस कुटुम्बी का उद्धारक हैं।

और उस ने कहा, हे मेरी बेटी, यहोवा तुझे आशीष दे। तू ने यह पिछली कृपा पहिली से बड़ी कर दी है, कि तू जवानों के पीछे नहीं गया, चाहे वे गरीब हों, चाहे बूढ़े हों। तो, बोअज़, काफी अमीर आदमी शायद अधेड़ उम्र या उसके बाद का है।

और वह एक युवा महिला है. वह किसी भी नवयुवक के साथ हो सकती थी। लेकिन वह उसके पास आती है, एक वृद्ध व्यक्ति, और वह इसके लिए आभारी है।

और इसलिए, श्लोक 11 में, वह कहता है, मैं वह सब कुछ करूँगा जो तुम माँगोगे क्योंकि हर कोई जानता है कि तुम एक योग्य महिला हो। श्लोक 11. एशेत चायिल, हमने पहले उल्लेख किया है।

इसे अब मिटा दिया गया है, लेकिन हमने इसके बारे में परिचय में बात की है। यह वही शब्द है जो आपको नीतिवचन की किताब में मिलता है, एक उत्कृष्ट पत्नी। परन्तु उस ने कहा, हां, मैं छुड़ानेवाला हूं, पद 12।

लेकिन एक और मुक्तिदाता है जो विवाह रेखा में मुझसे ज्यादा करीब है। इसलिए, हमें पहले उससे बात करने की ज़रूरत है। और अगर वह ऐसा करने को तैयार है, तो तुम्हें उसकी पत्नी बनना होगा।

अगर नहीं तो मैं जरूर ऐसा करूंगा. इसलिए, सुबह तक लेटे रहो, और मैं चीजों की जांच करूंगा। और वह घर वापस आती है और नाओमी को सब कुछ बताती है।

और चीजें अनुकूल अंत के लिए तैयार और तैयार की जाती हैं। और वे यही उम्मीद करते हैं. तो, वह इंतजार करती है.

वह इंतजार करने का फैसला करती है। और फिर बोअज़, अध्याय 4 में, मामले को सुलझाने की कोशिश करता है। तो, अध्याय 4 में, बोअज़ शहर के द्वार पर जाता है।

और छुड़ानेवाला जिसके विषय में बोअज ने कहा या, वह आ पहुंचा। तो बोअज़ कहता है, यहाँ आओ। चलो बैठो और बातें करो.

इसलिए वह इस बात का गवाह बनने के लिए शहर के दस बुजुर्गों को भी बुलाता है। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में याद रखें, जीजा-साली समारोह के मोचन में, बुजुर्ग उसका हिस्सा होते हैं। और अगर जीजा शादी नहीं करना चाहता तो महिला को सैंडल उतारकर उसके चेहरे पर थूकना होगा।

सही मायनों में कहें तो यह आपका जीजा नहीं है। और चीजें थोड़ी अलग हैं. हम यहां उस संपत्ति के बारे में बात कर रहे हैं, जो व्यवस्थाविवरण 25 की तुलना में लैव्यिकस 25 को अधिक प्रतिध्वनित करती है।

लेकिन फिर भी, वह बड़ों को लाता है। बुजुर्ग स्पष्ट रूप से शहर के मामलों के सार्वजनिक संरक्षक होते हैं। और इसलिए, वह मुक्तिदाता को नाओमी के बारे में बताता है, पद 3, और वह जमीन का एक टुकड़ा बेच रही है जो एलीमेलेक, एक सामान्य रिश्तेदार का था।

और बोअज़ सीधे और ईमानदार तरीके से कहता है, मैंने सोचा कि मुझे आपको इसके बारे में बताना चाहिए। आपके पास यह जमीन खरीदने का अवसर होना चाहिए। और इसलिए, निकटतम रिश्तेदार ने कहा, हाँ , यह बहुत अच्छा है।

तो, मैं इसे छुड़ाऊंगा, पद 4 के अंत में। लेकिन फिर बोअज़ कहता है, ठीक है , एक कोडिसिल है जो इसके साथ जाता है। यहाँ बढ़िया प्रिंट में एक अतिरिक्त, या यह अतिरिक्त दस्तावेज़ है। कुछ और भी है जो आपको जानना आवश्यक है।

पद 5, जिस दिन तू नाओमी के हाथ से खेत मोल ले, उसी दिन मोआबी रूत, जो मरे हुओं की विधवा है, उसे भी मोल लेना, कि मरे हुए का नाम उसके निज भाग में बना रहे। वह पद 5 है। और जैसा कि हमने पुस्तक के परिचय में कहा था, वह प्रावधान पेंटाटेच में कहीं भी नहीं पाया जाता है। तो ऐसा लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो बीच के वर्षों में एक प्रथा के रूप में विकसित हुआ।

लेकिन नजदीकी रिश्तेदार इस बात की वैधता को स्वीकार करते दिख रहे हैं. वह यह नहीं कहता, नहीं, नहीं, नहीं, तुम गलत हो। यह सौदा नहीं है.

श्लोक 6 में, वह कहता है, ओह, ठीक है, मैं ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि इससे मेरी विरासत ख़राब हो जाएगी। तो, फिर से, ये उन रीति-रिवाजों के कुछ हिस्से हैं जो विकसित हुए प्रतीत होते हैं। व्यवस्थाविवरण या लेविटिकस में उनका विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।

यह अब बताता है, पुस्तक का लेखक अब हमें थोड़ी और पृष्ठभूमि जानकारी देता है। श्लोक 7 और उसके बाद, उन्होंने कहा, यह उस समय का रिवाज है। यदि कोई इस प्रकार का लेन-देन करने जा रहा था, तो वह अपनी चप्पल उतार देता था, दूसरे को दे देता था, और इज़राइल में इसे गवाह के रूप में प्रमाणित करते हुए, मिलने का यही तरीका है।

यह किस प्रकार का विरोधाभास है, व्यवस्थाविवरण में, यदि जीजा ऐसा करने से इनकार करता है, तो पत्नी, विधवा पत्नी, को जीजा पर चप्पल उतारनी चाहिए और फिर उसके चेहरे पर थूकना चाहिए। इसलिए यह बहुत अधिक सभ्य प्रकार का लेनदेन है। लेकिन सैंडल का आदान-प्रदान एक तरह से ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आप सैंडल उतार देते हैं, आप चलने और बुरी चीज़ों पर पैर रखने के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

तो, यह दोनों के बीच विश्वास और सम्मान के आदान-प्रदान का संकेत है। तो, पद 6 में, मुझे क्षमा करें, पद 8, जब उद्धारक ने बोअज़ से कहा, इसे अपने लिए ले लो, तो उसने अपनी चप्पल उतार दी। और तब बोअज ने औरोंसे कहा, तुम तो गवाह हो, कि यह हो रहा है।

और हर कोई श्लोक 11 में चिल्लाता है, कहता है, हाँ, हम गवाह हैं। यहोवा उस स्त्री को जो तेरे घर में आनेवाली है, राहेल और लिआ के समान बनाए, जिन्होंने मिलकर इस्राएल के घराने को दृढ़ किया। दूसरे शब्दों में, वह उपजाऊ हो और उस पर ईश्वरीय प्रभाव हो और उसके बच्चे हों।

राहेल और लिआ, रखैलों समेत 12 गोत्रों की माताएँ थीं। और यही प्रार्थना है, यही आशीर्वाद है कि लोग रूथ के लिए प्रार्थना करते हैं। और इस रीति से तू एप्राता में योग्य काम करे, और बेतलेहेम में विख्यात हो, और तेरा घराना पेरेस के घराने के समान हो, जिसे तामार ने यहूदा के लिये उत्पन्न किया था, उस सन्तान के कारण जो यहोवा तुझे इस कन्या से देगा।

इसलिए, बोअज़ ने रूत को ले लिया, पद 13, और वह उसकी पत्नी बन गई। वह उसके पास गया, वह गर्भवती हुई, और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ। और स्त्रियों ने नाओमी से कहा, तू धन्य है, क्योंकि यहोवा ने तुझे छुड़ानेवाले से रहित नहीं छोड़ा।

विस्तार से, बोअज़ उसका दामाद बन गया। और वह तुम्हारे लिये जीवन का उद्धारकर्ता होगा। उसने सोचा कि उसका जीवन समाप्त हो गया है, अध्याय 1 में। यह संतान अब आपके लिए जीवन प्रदान करने वाली और बुढ़ापे में आपका पोषण करने वाली होगी।

और तेरी बहू जो तुझ से प्रेम रखती है, और उसके सात से अधिक बेटे हैं, उस ने उसे जन्म दिया है। तो, नाओमी उसे ले जाती है, और उसकी नर्स बन जाती है। और उन्होंने उसका एक नाम रखा, उसका नाम ओबेद रखा।

और वह यिशै का पिता, दाऊद का पिता है। तो, डेविड की वंशावली में समाप्त होने वाली सुंदर कहानी है। वंशावली फिर से यहूदा को डेविड से जोड़ती है, जैसा कि हमने अन्य संदर्भों में कहा है।

और यह एक खूबसूरत कहानी के रूप में समाप्त होती है। सभी पात्रों के लिए सब कुछ अच्छा चल रहा है। इस कहानी में वास्तव में कोई खलनायक नहीं है।

यह अध्याय 1 में पतियों की मृत्यु की दुखद परिस्थितियाँ हैं। यह संभावित रूप से जटिल कारक, यह मुक्तिदाता रिश्तेदार, यह निकट रिश्तेदार, अध्याय 3। लेकिन वह स्वयं कार्यक्रम के साथ जाता है और बोअज़ को रूथ से शादी करने की अनुमति देता है। और हर कोई हमेशा खुश रहता है। इसके बारे में पलटने की जरूरत नहीं है।

लेकिन भगवान इस किताब में काम कर रहा है. और हम महान धर्मात्मा राजा, राजा डेविड के जीवन को आगे बढ़ते हुए देखते हैं।

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 32, रूथ प्रदर्शनी है।